G20 कल्चर ट्रैक

चर्चा में क्यों?

भारत की G-20 अध्यक्षता के भाग के रूप में, सरकार खजुराहो, भुवनेश्वर, हम्पी और आगरा में "संस्कृति ट्रैक" पर ध्यान केंद्रित करते हुए 5 प्रमुख बैठकों की मेजबानी करने की योजना बना रही है।

मुख्य बिंदु

इन शहरों को मुख्य रूप से प्रसिद्ध स्मारकों और यूनेस्को के विश्व धरोहर स्थलों; जैसे- ताजमहल और आगरा का किला (उत्तर प्रदेश), खजुराहो (मध्य प्रदेश) के हिंदू और जैन मंदिरों, भुवनेश्वर (ओडिशा) से लगभग 65 किमी. दूर कोणार्क के सूर्य मंदिर और हम्पी (कर्नाटक) के स्थापत्य के आधार पर चुना गया है।

कल्चर ट्रैक के लिए, संस्कृति मंत्रालय में एक G20 सचिवालय स्थापित किया गया है, जो G20 की सांस्कृतिक शाखा हेतु अनुसंधान, प्रलेखन और समन्वय कार्य के लिए एक पेशेवर एजेंसी को नियुक्त करेगी।

G-20 अध्यक्षता की प्रासंगिकता

यह भारत के लिए कई कार्य क्षेत्रों और संपर्क क्षेत्रों में संस्कृति पर वैश्विक एजेंडे को आकार देने का एक शानदार अवसर प्रदान करता है। इसमें शामिल हैं:

सांस्कृतिक संपत्ति की सुरक्षा और बहाली;

टिकाऊ जीवन के लिए पारंपरिक सांस्कृतिक प्रथाओं की उन्नति;

आजीविका सृजन के लिए सांस्कृतिक और रचनात्मक उद्योगों को बढ़ावा देना; तथा

प्रौद्योगिकी का लाभ उठाकर संस्कृति का संरक्षण और प्रसार।"

G-20

यह विश्व की प्रमुख विकसित और उभरती अर्थव्यवस्थाओं को जोड़ने वाला एक रणनीतिक बहुपक्षीय मंच है।

यह भविष्य के वैश्विक आर्थिक विकास और समृद्धि को हासिल करने में एक रणनीतिक भूमिका रखता है।

साथ ही, G20 सदस्य विश्व जीडीपी के 80 प्रतिशत से अधिक, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के 75 प्रतिशत और विश्व की 60 प्रतिशत आबादी का प्रतिनिधित्व करते हैं।

1999 में वित्त मंत्री और केंद्रीय बैंक के गवर्नरों की बैठक के रूप में शुरू हुआ G20 एक वार्षिक शिखर सम्मेलन है जिसमें राज्य और सरकार के प्रमुख शामिल थे।

KARMANYEVADHIKARASTE MAA PHALESHU KADAACHAN THE STUDY An Institute for IAS